# शिमेरिक एंटीजेन रिसेप्टर टी-सेल थेरेपी (Chimeric Antigen Receptor T-cell Therapy)

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/chimeric-antigen-receptor-t-cell-therapy

- 4 जून, 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, कैंसर केयर इन इंडिया तथा टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई द्वारा भारत में पहली सी.ए.आर-टी. सेल थेरेपी (एक प्रकार की जीन थेरेपी) की गई। सी.ए.आर-टी. कोशिकाओं को आई.आई.टी. मुंबई के जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग में डिज़ाइन तथा निर्मित किया गया था।
- **शिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर टी-सेल (CAR-T) थेरेपी** विश्व स्तर पर किये गए नैदानिक परीक्षणों के बाद **अंतिम चरण के कैंसर रोगियों, विशेष रूप से तीव्र लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया से पीड़ित रोगियों के उपचार में एक सफल तथा आशाजनक परिणाम के रूप में सामने आई** है।
- वर्तमान में यह तकनीक भारत में उपलब्ध नहीं है। शिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर टी-कोशिका के विकास की जटिल प्रक्रिया के कारण इस सेल थेरेपी की लागत लगभग 3-4 करोड़ रुपये है। इस तकनीक को कैंसर तथा अन्य रोगों के उपचार हेतु विकसित करने के उद्देश्य से जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् तथा जैव-प्रौद्योगिकी विभाग ने पहल की है।
- **इस कोशिका का विकास राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् के सहयोग से किया गया है।** जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी धारा 8, अनुसूची बी का सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।

IAS / PCS
Online Video Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for
Next 500 Students
Online
Learning
Programme
JOIN NOW

IAS / PCS
Pendrive Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for Next
500 Students